# गुरु जी बिना कोई कामे नी आवे कबीर भजन लिरिक्स

गुरु जी बिना कोई कामे नी आवे,
कुल अभिमान मिटावे है,
कुल अभिमान मिटावे हो साधो,
अरे सतलोक पहुँचावे है,
गुरु जी बिना कोई कामे नी आवे।bd।

---

नारी कहे मैं संग चलूँगी,
ठगनी ठग ठग खाया है,
अंत समय मुख मोड़ चली है,
तनिक साथ नहीं देना है,
गुरु जी बिना कोई कामे नी आवे।bd।

---

कौड़ी कौड़ी माया रे जोड़ी,
जोड़ के महल बनाया है,
अंत समय में थारे बाहर करिया,
उसमे रे रह नहीं पाया है,
गुरु जी बिना कोई कामे नी आवे।bd।

---

अरे जतन जतन कर सुन तो रे बाला,
वा को लाड़ अनेक लड़ाया है,
तन की ये लकड़ी तोड़ी लियो है,
लाम्बा हाथ लगाया है,
गुरु जी बिना कोई कामे नी आवे।bd।

---

भाई बंधू थारे कुटम्ब कबीला,
धोखे में जीव बंधाया है,
कहे कबीर सुनो भाई साधो,
कोई कोई पूरा गुरु बन्ध छुड़ाया है,
गुरु जी बिना कोई कामे नी आवे।bd।

---

गुरु जी बिना कोई कामे नी आवे,
कुल अभिमान मिटावे है,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कुल अभिमान मिटावे हो साधो,
अरे सतलोक पहुँचावे है,
गुरु जी बिना कोई कामे नी आवे।bd।

गायक – प्रहलाद सिंह जी टिपानिया।
**Upload – Badri Aloria**
**9314219999**

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com